समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

अमेरिका के शेयर बाजार का नया रिकॉर्ड: कैप-टू-जीडीपी रेश्यो हुआ अब तक का उच्चतम

Publisher

Published on 08 Oct 2025

अमेरिकी शेयर बाजार ने हाल ही में एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिकी स्टॉक मार्केट का **कैप-टू-जीडीपी रेश्यो** (Market Capitalization to GDP Ratio) अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति अमेरिका के वित्तीय इतिहास में पहली बार देखी जा रही है। यह घटना **डॉटकॉम बुल बाजार** के समय में भी नहीं हुई थी।

कैप-टू-जीडीपी रेश्यो यह दर्शाता है कि शेयर बाजार का कुल मूल्य (Market Capitalization) देश की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के मुकाबले कितना बड़ा है। यह निवेशकों और अर्थशास्त्रियों के लिए यह संकेत देता है कि बाजार के मूल्यांकन में कितनी तेजी या बुलिशनेस है। अमेरिका के शेयर बाजार में हाल की तेजी ने इस अनुपात को नया रिकॉर्ड स्तर दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अप्रैल के लो लेवल से अमेरिकी बाजार में यह रेश्यो **लगभग 58% बढ़ा** है। इसका मतलब है कि शेयर बाजार में पिछले कुछ महीनों में निवेशकों की भारी खरीदारी हुई और बाजार में निवेश का उत्साह बढ़ा। यह वृद्धि दर्शाती है कि अमेरिकी कंपनियों के शेयरों की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

2008 के फाइनेंशियल क्राइसिस के समय यह रेश्यो काफी कम था। अब यह लो लेवल के मुकाबले लगभग **4.6 गुना अधिक** हो गया है। यह आंकड़ा दिखाता है कि अमेरिकी बाजार ने वैश्विक आर्थिक मंदी और अनिश्चितताओं के बावजूद तेजी दिखाई है। निवेशकों ने शेयरों में विश्वास जताया और बाजार को मजबूती प्रदान की।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी बाजार की यह तेजी कई कारणों से आई है। इनमें **कंपनियों के मजबूत क्वार्टरली प्रदर्शन**, **टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य क्षेत्र मे निवेश की बढ़त**, और **फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीतियों** का योगदान शामिल है। इन सब कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और शेयरों की कीमतों को ऊपर धकेला।

हालांकि, कुछ वित्तीय विश्लेषक यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि कैप-टू-जीडीपी रेश्यो का इतना उच्च स्तर संकेत दे सकता है कि बाजार में ओवरवैल्यूएशन (Overvaluation) हो गया है। इसका अर्थ है कि शेयर की कीमतें वास्तविक आर्थिक मूल्य से अधिक

हो सकती हैं। निवेशकों को सतर्क रहकर निर्णय लेने की सलाह दी जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों के लिए यह समय **संतुलित निवेश रणनीति अपनाने** का है। बाजार में तेजी का फायदा उठाने के साथ-साथ जोखिम प्रबंधन और पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना जरूरी है। अमेरिकी बाजार में वर्तमान स्थिति यह दिखाती है कि उच्च रिटर्न के अवसर मौजूद हैं, लेकिन संभावित उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस तेजी के पीछे मुख्य कारण **टेक्नोलॉजी और नवाचार आधारित कंपनियों का बेहतर प्रदर्शन** भी रहा। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों ने अपने प्रॉफिट और रेवेन्यू में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई, जिससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप कैप-टू-जीडीपी रेश्यो में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में स्थिरता ने इस तेजी को और मजबूती दी। अमेरिका की आर्थिक वृद्धि दर, उपभोक्ता विश्वास और निवेशक धारणा ने बाजार में सकारात्मक संकेत भेजा।

कुल मिलाकर, अमेरिकी शेयर बाजार ने अपने कैप-टू-जीडीपी रेश्यो के माध्यम से एक **इतिहासिक उपलब्धि** हासिल की है। यह निवेशकों के लिए अवसरों और संभावनाओं का संकेत है, लेकिन इसके साथ **सावधानी और सतर्कता** भी जरूरी है।

यह रिकार्ड अमेरिकी वित्तीय बाजार की स्थिरता, निवेशकों के विश्वास और कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है। भविष्य में यह देखना दिलचस्प होगा कि बाजार इस उच्च स्तर को बनाए रख सकता है या इसमें अस्थिरता देखने को मिलेगी।

अर्थशास्त्रियों और निवेशकों के लिए यह समय सोच-समझकर निवेश करने और बाजार के रुझानों को समझने का है। अमेरिकी बाजार की यह तेजी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और निवेशकों के लिए नए अवसर खोल सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.